डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे
गुरु एक्सप्रेस
सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 19 | अंक 165 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 01 अप्रैल 2025 | मूल्य 2 रुपया

मामला अफीम के खेत में किसान का शव मिलने का...

भाई-भतीजे ने उतारा था मौत के घाट, दोनों गिरफ्तार

मनासा, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को भादवा माता और बरड़िया जागीर गांव के बीच स्थित खेत में मनासा थाना क्षेत्र के बरडिया जागीर निवासी नागेश भील का शव मिला था। पुलिस जांच में पता चला कि भाई-भतीजे ने ही नागेश की हत्या की थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार की रात नागेश अपने अफीम के खेत की रखवाली के लिए गया था। सुबह जब वह घर नहीं लौटा, तो उसकी पत्नी खेत पर गई। वहां उसे नागेश की लाश मिली। मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। मृतक की पत्नी टम्मा बाई ने बताया कि उनके पति और देवर के बीच अफीम के लाइसेंस को लेकर विवाद चल रहा था। टम्मा बाई के अनुसार जब वह सुबह खेत पर पहुंची, तो देवर और देवरानी भी वहां आ गए। उन्होंने विवाद करते हुए पति की हत्या का आरोप उस पर लगाया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से घटना स्थल एवं उसके आसपास के सीसीटीवी कैमरों को देखा। जांच शुरु करने के साथ ही मुखबीर तंत्र के माध्यम से जांच की। पुलिस टीम द्वारा विवेचना के दौरान परिजनों के कथन भी लिए गए। पुलिस टीम द्वारा प्रकरण में आये तथ्यों के आधार पर फरियादिया के देवर कमलेश से पूछताछ की गई। किन्तु कमलेश ने पहले तो विवाद नहीं होना बताया। किन्तु, पुलिस टीम द्वारा अपनी व्यवसायिक दक्षता के आधार पर पुछताछ करते कमलेश टूट गया व बताया कि मैनें व मेरे पुत्र विष्णु ने मेरे भाई के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी है। भाई कमलेश ने बताया कि मृतक नागेश भील प्रतिदिन शराब पीकर गाली गलौच करता था। इसी वजह से दोनो भाईयों में विवाद हो गया। इसी को लेकर मारपीट कर हत्या कर दी है। भाई की हत्या के आरोप में कमलेश व उसके बेटे विष्णु को गिरफ्तार कर लिया है।

पिपलिया से अपहृत बालिका भिंड से दस्तयाब हुई, अपहर्ता फरार, जीजा को जैल भेजा

पिपलियामंडी, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर से अपहृत हुई नाबालिग बालिका को स्थानीय पुलिस ने दस्तयाब कर लिया। अपहर्ता फरार हो गया। उसके जीजा को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जिसे कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए है। जानकारी के अनुसार 22 मार्च 2025 को नगर से 14 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने कदौरा (जालोन, उत्तरप्रदेश) निवासी अतीक खान के खिलाफ केस दर्ज किया था। मामले में 26 मार्च को विहिप बजरंग दल ने पुलिस चौकी में ज्ञापन देकर बालिका का अपहरण कर ले जाने की घटना का लव जिहाद की घटना बताते हुए आरोपी तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की थी। पुलिस ने रविवार को भिडं से बालिका को दस्तयाब किया। बालिका भिंड में अतीक के जीजा फुरहान उर्फ बाबी खान के घर पर थी। बाबी... शेष पेज 4 पर

विकास का इंतजार कर रही अवैध कॉलोनियां

सिर्फ नाम की वैध हुई 169 कॉलोनिया, अब 2016 से पहले की कॉलोनियां ही होंगी नियमित..!

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की घोषणा के बाद शहर ही नहीं बल्कि पूरे जिले में 169 कॉलोनियों को वैध कागजों में तो कर दिया। लेकिन, इन कॉलोनियों में अब तक विकास नहीं पहुंचा है। जिलेभर की इन कॉलोनियों में रहने वाले 60 हजार से अधिक लोगों को हर दिन बुनियादी समस्याओं को लेकर परेशान होना पड़ रहा है। कॉलोनियों को अवैध से वैध का दर्जा दिए लंबा समय हो गया। लेकिन, अब तक यहां ना सीवरेज की सुविधा मिली, ना पेयजल की व्यवस्था हुई और ना ही बेहतर सड़क बनाई गई। सफाई भी समय पर नहीं हो रही है। बिजली की झूलती केबलों से हर समय हादसों का अंदेशा बना रहता है। बिना विकास शुल्क जमा कराए काम नहीं हो सकते और रहवासियों का कहना कि मकान लेने के बाद से यहां रह रहे है। हर सुविधा के लिए कीमत चुकाना पड़ रही है तो अब विकास शुल्क की राशि वह क्यों भरें। विकास शुल्क कॉलोनाइजर से वसूलना चाहिए। इसी फेर में अवैध कॉलोनियों का विकास उलझा पड़ा है। हालांकि अवैध कॉलोनियों को वैध करने के नियम अब और ज्यादा सख्त होने वाले हैं।

डॉ. मोहन यादव सरकार नगरपालिका एक्ट में बदलाव करने जा रही है। संशोधित कानून में अवैध कॉलोनी बनाने पर 10 साल की सजा और 50 लाख जुर्माने का प्रावधान किया जा रहा है। इसका ड्राफ्ट तैयार हो गया है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि एक महीने में नया कानून प्रभावी हो जाएगा। मध्यप्रदेश में अवैध कॉलोनियों को नियमित करने के मौजूदा कानून में सजा और जुर्माने के प्रावधान में बदलाव के साथ ये भी तय किया जा रहा है कि 2016 से पहले बनी अवैध कॉलोनियों को वैध किया जाए या 2022 के पहले बनी? इस पर अभी सहमति नहीं बनी है। हालांकि, पिछले साल नगरीय प्रशासन मंत्री ने जब अवैध कॉलोनियों की समीक्षा की थी, तब जिला कलेक्टरों से 2016 की अवैध कॉलोनियों का डेटा मांगा गया था। इससे ये माना जा रहा है कि सरकार 2016 से पहले की अवैध कॉलोनियों को ही नियमित कर सकती है।

पार्षद कर सकेंगे नगर निगम-पालिका अधिकारियों की शिकायत...

सरकार के प्रस्तावित संशोधन के मुताबिक, यदि नगर निगम या नगर पालिका-परिषद का कोई अधिकारी जिसे अवैध निर्माण रोकने की जिम्मेदारी है, वह अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं करता या इसे रोकने की कोशिश नहीं करता तो तीन साल की सजा और 10 हजार रूपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पुलिस को शिकायत मिलने पर अवैध कॉलोनाइजर के खिलाफ 90 दिन के भीतर एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान भी जोड़ा गया है। यदि पुलिस अधिकारी इस समय सीमा का पालन नहीं करते है तो उनके खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित संशोधन के मुताबिक वार्ड के पार्षद भी अवैध कॉलोनी की जानकारी कलेक्टर, मुख्य नगरपालिका अधिकारी या इंजीनियर को दे सकते हैं। ये जानकारी उन्हें लिखित में देनी पड़ेगी।

कहां कितनी कॉलोनी को किया था वैध...

दिसंबर-2016 से पहले की कॉलोनियों को वर्ष 2023 विधानसभा चुनाव से पहले वैध किया गया था। जिले में 202 कॉलोनियों को चिन्हित किया गया था। इसमें 169 कॉलोनियों को वैध किया गया। इसमें मंदसौर में 67, गरोठ में 45, भैंसोदा में 20, पिपिलियामंडी में 05, मल्हारगढ़ में 03, शामगढ़ में 18, भानपुरा में 08, सीतामऊ में 03 कॉलोनियां वैध हुई थी। इनमें रहने वाले लोगों को नामांतरण से लेकर भवन निर्माण अनुमति से लेकर बिजली व नल कनेक्शन जैसी सुविधाओं की शुरुआत तो हो चुकी है। लेकिन, अभी भी इन कॉलोनियों में सड़क, नाली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर काम नहीं हो पाया है।

बजट में हर बार कर रहे प्रावधान...

मंदसौर से लेकर समूचे जिले के निकायों में वार्षिक बजट में हर साल अवैध कॉलोनियों में विकास के नाम पर बजट का प्रावधान किया जा रहा है। बावजूद इसके इन कॉलोनियों में विकास कार्य निकाय नहीं कर पा रहे है। जनप्रतिनिधियों की निधियों से होने वाले कामों को छोड़ निकाय अपनी राशि से काम नहीं कर पा रहे है। विकास शुल्क की फेर में निकाय नियमों में उलझे हुए है।

गणगौर पूजा और झेल- शहर सहित अंचल में सोमवार को सुहागिनो ने गणगौर माता की पूजा की और शोभायात्रा 'झेल' निकाली।

नाम के शुरु होंगे आज से स्कूल..!

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शासन-प्रशासन की नजर में आज एक अप्रैल से स्कूल शुरु हो जाएंगे। लेकिन, वे केवल नाम के लिए ही प्रारंभ होंगे। इसका कारण है कि इस सत्र में अभी तक कोर्स की संपूर्ण किताबे नहीं मिल पाई है।

आज मंगलवार को स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनेगा। तिलक लगाकर बच्चों का स्वागत किया जाएगा। वहीं बच्चों को किताबें भी दी जाएंगी। किन्तु, कई विषयों की किताबें अब तक स्कूलों में नहीं पहुंची हैं। इससे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को जो किताबें पहुंची हैं, उनका ही वितरण किया जाएगा और बच्चों को सीमित किताबों से ही पढाई करनी होगी। स्कूल शिक्षा विभाग को भी पता है कि हर साल एक अप्रैल से स्कूल शुरु हो रहे हैं। इसके बाद भी सभी विषयों की किताबें नहीं पहुंची हैं। जिम्मेदारों ने भी राज्य शिक्षा केंद्र से जो किताबें मिली हैं। वे सभी स्कूलों में पहुंचा दी है। जो नहीं आई हैं, उसकी जानकारी केंद्र को भेजी है। जिससे कि जल्द ही बची हुई किताबें मिल सकें। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को निशुल्क किताबें दी जाती हैं। ये किताबें शैक्षणिक सत्र शुरु होने के साथ ही दी जाती हैं। इस बार कई कक्षाओं की किताबें स्कूलों तक नहीं पहुंची हैं। वहीं पाठ्यपुस्तक के साथ ही स्कूलों में एफएलएन की किताबें भी बच्चों को मिलती हैं। एक से चार तक की तो एफएलएन की किताबें भी नहीं आई हैं।

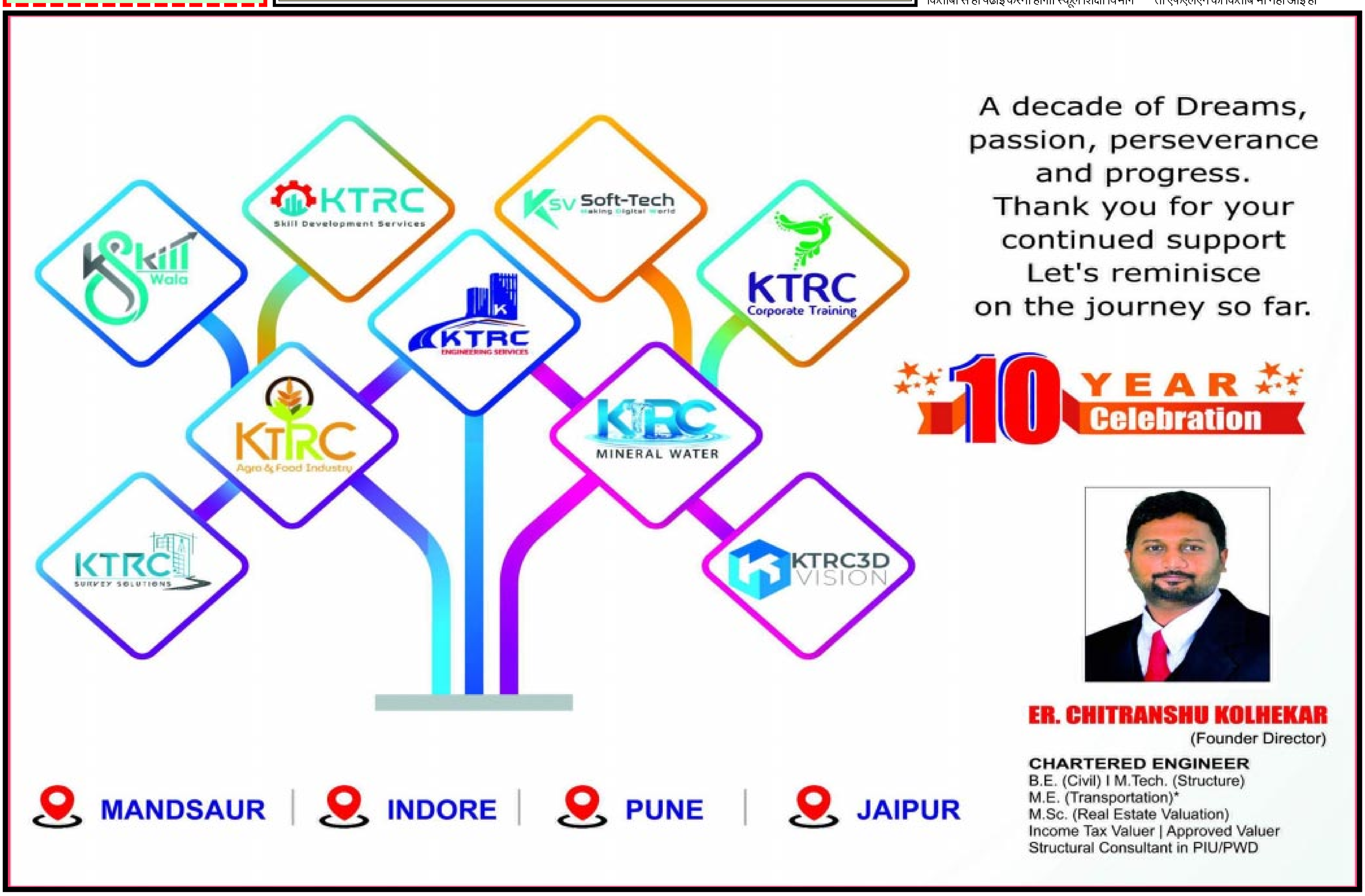

विचार-मंथन

जम्मू-कश्मीर में कब थमेगा आतंक का खूनी सिलसिला?

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के लिए देश और इसके समूचे तंत्र की कितनी ऊर्जा लगी है, यह सभी जानते हैं। विडंबना यह है कि दशकों पहले से जारी इस समस्या से पार पाने के लिए सरकारों ने दावे तो बहुत किए, वक्त के साथ नए उपाय भी किए गए, लेकिन आज भी वहां जिस स्तर की आतंकवादी गतिविधियां चल रही दिखती हैं, वह देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। गौरतलब है कि हाल ही में सुरक्षा बलों को यह खबर मिली थी कि पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कुछ सदस्य घुसपैठ कर कठुआ के जंगलों में छिप गए हैं। उन्हीं आतंकवादियों की तलाश में जम्मू-कश्मीर की पुलिस की अगुवाई में अभियान चलाया जा रहा था। इस बीच गुरुवार की सुबह पुलिस बल ने आतंकियों के एक समूह को घेर लिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया, लेकिन इस क्रम में तीन पुलिसकर्मी भी शहीद हो गए और सेना के दो जवानों सहित सात अन्य घायल हो गए। इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल और वहां की पुलिस ने आतंकियों से मोर्चा लेने के मामले में हमेशा ही सजगता बरती है और इसमें उन्हें काफी हद तक कामयाबी मिली है। मगर यह भी कड़वी हकीकत है कि आज भी वहां आतंकवादी संगठन इस रूप में अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं कि वे सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमला कर देते हैं और कई बार उनकी जान भी चली जाती है। सुरक्षा बलों या किसी पुलिसकर्मी की शहादत की घटना दरअसल यह विचार करने की जरूरत को रेखांकित करती है कि आतंकियों से निपटने की रणनीति में क्या किसी बदलाव की जरूरत है! क्या इस समस्या की तहों में जाना अब भी बाकी है? जम्मू-कश्मीर में इतने लंबे समय तक प्रकारांतर से केंद्र सरकार का शासन रहा, सुरक्षा बलों की ओर से हर स्तर पर सावधानी और सख्ती बरती गई, अक्सर मुठभेड़ों में आतंकियों को मार गिराने में कामयाबी मिली, उसके बावजूद यह समझना मुश्किल है कि आज भी आतंकियों के हौसले में कमी क्यों नहीं आ पा रही है। क्या यह उनके आतंकी तंत्र के मजबूत संजाल और सीमापार से परोक्ष सहयोग के बूते हो रहा है या फिर कहीं किसी स्तर पर उनके पांव को राज्य से उखाड़ने के प्रति और ज्यादा सख्ती और गंभीरता की जरूरत है? जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन खत्म होने के बाद जब लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उससे उपजी एक उम्मीद यह भी थी कि अब वहां नए सिरे से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शुरू होगी। मगर अब भी वहां सरकार के कामकाज का कोई ऐसा ठोस असर सामने नहीं आया है, जिससे आतंकियों के हौसले पस्त हों। वरना क्या वजह है कि हर स्तर पर निगरानी या चौकसी के बावजूद आए दिन आतंकी संगठन सुरक्षा बलों पर हमले कर देते हैं और उसमें कई जवान शहीद हो जाते हैं। केंद्र सरकार यह दावा जरूर करती है कि पिछले कुछ समय में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद में कमी आई है, मगर अक्सर सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ, उनसे सुरक्षा बलों की मुठभेड़, कुछ आतंकियों के मारे जाने के साथ-साथ सेना या पुलिस के जवानों की शहादत से यही लगता है कि वहां इस समस्या की जड़ें कायम हैं और शांति फिलहाल दूर की कौड़ी है। बल्कि पिछले कुछ वर्षों में आतंकियों के लक्षित हमलों में प्रवासी मजदूरों के मारे जाने की घटनाओं ने हालात के और जटिल होने को रेखांकित किया है।

पीएम मोदी के श्रीलंका दौरे पर जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई की बन सकती है बात

अरुणिम भुयान

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में बिम्सटेक सम्मेलन में शामिल होने के बाद पीएम मोदी सीधे श्रीलंका के दौरे पर जाएंगे. पीएम मोदी के इस दौरे पर द्विपक्षीय मुद्दे पर वार्ता होगी. इसके साथ ही श्रीलंकाई जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई पर बात बन सकती है. 4 से 6 अप्रैल तक चलने वाले इस दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात करेंगे. इस दौरान भारतीय मछुआरों का मुद्दा फिर सुर्खियों में रहेगा. पीएम और दिसानायके की इस मुलाकात में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक दोनों पड़ोसियों के बीच दशकों पुराने समुद्री विवाद में फंसे भारतीय मछुआरों की दुर्दशा भी होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3-4 अप्रैल को बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे. इसके बाद मोदी 4 से 6 अप्रैल तक श्रीलंका की द्विपक्षीय यात्रा पर जाएंगे. अगले सप्ताह मोदी की थाईलैंड और श्रीलंका यात्रा से पहले शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी, श्रीलंकाई राष्ट्रपति के साथ अपनी बैठक के दौरान हमारे मछुआरों के कल्याण से संबंधित मुद्दों को उठाएंगे. गौर करें तो श्रीलंकाई नौसेना ने हाल के दिनों में भी कई भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी नावें भी जब्त कर ली हैं. अब इसके समाधान की भी जरूरत है. साथ ही इसके स्थायी समाधान की आवश्यकता है. देखा जाए तो मछुआरों

की आजीविका दांव पर है और दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध एक संवेदनशील मोड़ पर हैं. ऐसे में मोदी के हस्तक्षेप से भारतीय मछुआरों के अधिकारों और सुरक्षा को सुनिश्चित करने और भारत-श्रीलंका संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है. देखा जाए तो भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों का विवाद पाक जलडमरू मध्य में मछली पकड़ने के अधिकार को लेकर है. यह समुद्री क्षेत्र तमिलनाडु को श्रीलंका के उत्तरी प्रांत से अलग करने वाला एक संकीर्ण जल क्षेत्र है. यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से दोनों देशों के लोगों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र रहा है. हालांकि, अलग-अलग समुद्री सीमाएं और मछली पकड़ने की अलग-अलग प्रथा की वजह से अक्सर तनाव और टकराव होता रहा है. भारतीय मछुआरों की स्थिति को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा को बताया कि 27 मार्च तक कुल 97 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की कस्टडी में हैं. इनमें से 83 सजा काट रहे हैं. तीन मुकदमे के ट्रॉयल की प्रतीक्षा कर रहे हैं और 11 को श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार को पकड़ा. विदेश सचिव मिसरी ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इस समस्या की उत्पत्ति पर विस्तार से चर्चा की. साथ ही इस दीर्घकालिक मुद्दे के समाधान के लिए दोनों पक्षों द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में डिटेल में बताया. उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा मुद्दा है जो लंबे समय से चला आ रहा है. यह भी एक ऐसा मुद्दा है जिसकी जड़ कई साल पहले 70 के दशक के मध्य में बनी कुछ व्यवस्थाओं में निहित है. इसके द्वारा भारत और श्रीलंका के बीच अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पर केंद्र और राज्य स्तर पर तत्कालीन अधिकारियों द्वारा सहमति व्यक्त की गई थी. इस औपचारिक समझौते के तहत इस विशेष क्षेत्र में अधिकारों के संबंध में हस्ताक्षर किए गए थे. तब से, निश्चित रूप से, हमारे पक्ष के मछुआरों ने कथित रूप से सीमाएं लांघी होंगी. इसी के बाद श्रीलंका की ओर से उनकी गिरफ्तारियाँ हुई हैं. मिसरी ने जोर देकर कहा कि भारत हमेशा से ही श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ संपर्क में रहा है. साथ ही श्रीलंका के साथ हर बैठक में हमारी ओर से इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया जाता है. उन्होंने कहा कि नई दिल्ली का मुख्य संदेश यही रहा है कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें मानवीय और आजीविका संबंधी चिंताओं के नजरिए से देखा जाना चाहिए. विदेश सचिव ने कहा कि इस मुद्दे से निपटने के तरीकों पर भारतीय और श्रीलंकाई अधिकारियों के बीच समय-समय पर सहमति बनी है. दोनों पक्षों के बीच मत्स्य पालन पर संयुक्त कार्य समूह के साथ-साथ एक औपचारिक तंत्र भी काम कर रहा है. इसको लेकर बीते साल अक्टूबर में बैठक हुई थी. दोनों पक्षों के मछुआरों के संघों के लिए भी एक सिस्टम बना हुआ है. उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को आपसी सहमति से सुलझाने की कोशिश जारी रहेगी. उन्होंने कहा कि कोलंबो स्थित भारतीय दूतावास और जाफना स्थित वाणिज्य दूतावास इन मुद्दों में पर काम कर रहे हैं. मिसरी ने कहा कि प्रभावित व्यक्तियों को हम कानूनी और अन्य तरह की सहायता प्रदान करते हैं. कभी-कभी चिकित्सा सहायता की जरूरत होती है. इसके साथ ही श्रीलंका से रिहा किए गए मछुआरों को जल्द से जल्द भारत वापस भेजने की सुविधा भी मुहैया करायी जाती है. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर श्रीलंका के साथ चर्चा में भारत सभी परिस्थितियों में बल प्रयोग से बचने पर ध्यान लगाने की कोशिश करता है. मिसरी ने कहा कि भारत ये महसूस करता है कि दोनों पक्ष इस मुद्दे का दीर्घकालिक और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की जरूरत समझते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 से 4 अप्रैल को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे. इस शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद मोदी 4 से 6 अप्रैल तक श्रीलंका की द्विपक्षीय यात्रा पर जाएंगे. पीएम के रूप में मोदी की यह तीसरी श्रीलंका यात्रा होगी।

थाईलैंड-म्यांमा में कुदरत का कहर, तबाही के भयावह दृश्य और बचाव के इंतजाम

थाईलैंड और म्यांमा में शुक्रवार को आए भूकम्प और उससे हुई तबाही ने एक बार फिर दुनिया के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर ठोस उपाय करने की जरूरत को रेखांकित किया है। म्यांमा में रिक्टर स्केल पर इस भूकम्प की तीव्रता 7.7 मापी गई। अमेरिकी जियोलाजिकल सर्वे के मुताबिक म्यांमा में पहले झटके के बारह मिनट के बाद दूसरा झटका आया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। खबरों के मुताबिक, इस भूकम्प से भारी तबाही हुई है और हजारों लोगों के मरने की आशंका है। वहीं थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में भी कई इलाकों से इमारतों के गिरने, सड़कों में दरारें आने और पुल के धराशायी होने सहित बड़े पैमाने पर नुकसान होने की खबरें आई।बताया जा रहा है कि बीते एक दशक के दौरान यह पहली बार है जब बैंकाक में इतना तेज भूकम्प महसूस किया गया। हालांकि थाईलैंड को भूकम्प के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील नहीं माना जाता है, शायद इसीलिए वहां भवनों को बनाने के क्रम में भूकम्परोधी तकनीक का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी नहीं माना जाता। मगर चूंकि थाईलैंड के पड़ोस में स्थित म्यांमा में अधिक भूकम्प आते हैं, इसलिए उसके असर से इस बार नुकसान का दायरा ज्यादा होने की आशंका है। दरअसल, इस स्तर के भूकम्प के तुरंत बाद उससे हुई क्षति का आकलन नहीं हो पाता है, लेकिन बाद में आमतौर पर तबाही का दायरा बड़ा दर्ज किया जाता है।

बचपन के शौक से जीवन में आए उत्साह को बनाए रखें

सरस्वती रमेश

अतीत हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। बचपन की स्मृतियों की ओर बार-बार मुड़ जाना हमें अच्छा लगता है। छूट गई चीजों से मोह उमड़ना इंसानी फितरत है। जब बचपन का घर, गांव, शहर, देश छूट जाता है तो व्यक्ति जीवन में एक बार उस शहर, देश गांव में जरूर लौटना चाहता है। इसी तरह बचपन के खेल-खिलौनों को देखकर उसके भीतर का बच्चा कुलबुला उठता है। तितलियों के पीछे भागना, पानी में छपाक-छपाक कूदना, गुड़िया-गुड्डे से खेलना जैसी बातों की स्मृति उसे आनंद से भर देती है। बचपन के इस आकर्षण को बुढ़ापे में जीने के लिए दुनिया में एक नया चलन चला है, जिसे 'किडल्टिंग' नाम दिया गया है। इसके जरिए दुनिया भर में कई युवा, अधेड़ और बुजुर्ग महिलाएं, पुरुष वह सब कर रहे है जो बचपन में करना उन्हें पसंद था, या जवानी में समय के अभाव के कारण वे कर नहीं पाए। 'किडल्टिंग' शब्द दो शब्दों के मेल से बना हुआ है- 'किड' और 'एडल्ट'। यानी बचपन और वयस्क की संधि। मनोवैज्ञानिक कार्ला मैरी मैनली के अनुसार, 'व्यावहारिक रूप से देखें तो यह बचपन की जानी-पहचानी, अच्छी लगने वाली गतिविधियों की ओर एक स्वाभाविक, सरल वापसी है।' मतलब बचपन में जिस लुका-छिपी के खेल को खेलकर हम रोमांच से भर उठते थे, उसी रोमांच को फिर से बुढ़ापे में खेलकर यह महसूस करने की कोशिश है। 'किडल्ट' शब्द का इस्तेमाल पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है, लेकिन इस चलन की लोकप्रियता में वास्तविक उछाल कोविड महामारी के शुरुआती महीनों में आया, जब सब अपने-अपने घरों में बंद पड़े भय और अवसाद से जूझ रहे थे। इस भय और निराशा को कम करने के लिए कुछ लोगों ने नए शौक पाले तो कुछ अपने पुराने बिछड़े शौक की ओर लौट आए। जब महामारी का भय कम हुआ, तब भी वयस्कों ने ऐसी गतिविधियां जारी रखीं। मतलब बचपन के शौक से जीवन में आए उत्साह को बनाए रखा। जब हम अपना मनपसंद काम करते हैं तो जीवन की चिंताओं से बेफिक्र हो जीते हैं। जो नहीं हुआ है, उसकी चिंता करना और जो हो गया है, उसकी भी चिंता करना हमारा स्वभाव होता है। इन चिंताओं के चलते हम जीवन के उल्लास से लगभग महरूम हो जा रहे हैं। 'किडल्टिंग' जिंदगी के भागमभाग में फंसे, अकेले रह गए या अवसाद से जूझ रहे लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इस संदर्भ में 'जाय फ्राम फियर' की लेखक कार्ला मेरी मैनली का कहना है, 'पसंदीदा गतिविधियां करना अक्सर तनाव दूर करने के लिए एकदम सही विकल्प होता है।' बड़ी कंपनियां भी ऐसी गतिविधियों के चलन को बढ़ावा देने में तेजी से जुट गई हैं। लंदन और मैड्रिड में एक संवाद संग्रहालय 'डोपामाइन लैंड' अपने 'अंदर के बच्चे' को जगाने के लिए बचपन और वयस्क अवस्था के संधिकाल की गतिविधियां करवाता है। एम्स्टर्डम में हर उम्र के लोगों के लिए बना संवाद संग्रहालय साहसी लोगों को गुलाबी मार्शमैलो के समुद्र में गोता लगाने और दीवारों पर अगड़म-बगड़म कुछ भी लिखने या चित्र बनाने की सुविधा देता है। यूनाइटेड किंगडम के तीन शहरों में वयस्कों के लिए एक विशाल बाल पिट है, जहां हर महीने हजारों लोग मजे लेने के लिए आते हैं। दिन भर मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से ऊबे हुए कामकाजी लोग इससे दूरी बनाने के दिलचस्प बहाने खोजने लगे हैं। बचपन की दुनिया में वापसी उन्हें पसंद आ रही है, क्योंकि इसमें वे उस बीते समय को जीते हैं, जब अधिकतर लोगों के पास मोबाइल और कंप्यूटर नहीं था। आखिर कुछ तो कारण होगा कि अपनी वर्तमान जिंदगी में तमाम सुविधाओं के बीच रहने वाले लोग भी अब ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, जिसमें वे जीवन की संवेदनाओं का अहसास नहीं कर पाते! जो इसकी वजहें ढूंढ पाने और उसके समाधान की ओर साहस के साथ देखने की कोशिश करते हैं, वे अपने बचपन की दुनिया में मौजूद जीवन-तत्व में इसका हल खोजते हैं। अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'हफपोस्ट' के अनुसार, पुरानी यादों को ताजा करने वाली गतिविधियों में शामिल होने से मन की सेहत सुधरती है। 'इमोशन' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन की मानें तो पुरानी यादें आत्म-निरंतरता को प्रोत्साहित करती हैं, यानी अतीत और वर्तमान के बीच भावनात्मक संबंध को बनाए रखती हैं।

अंगदान बढ़ाने को मध्यप्रदेश का रास्ता अपनाएं

एक मृत व्यक्ति के अंगदान से नौ लोगों को नया जीवन मिल सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में 1,04999 पुरुष, महिला और बच्चे आज भी इस इंतजार में हैं कि कोई अंगदान करेगा और वे अपना जीवन जी सकेंगे। मध्य प्रदेश सरकार ने अंगदान करने वालों को सम्मानित करने के साथ उनके परिवार को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने जा रही है। इसमें अंगदान करने वाले के परिवार को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा। जागरूकता बढ़ाने के लिए 18 लाख रुपये की डॉक्यूमेंट्री बनाई जा रही है। राज्य का स्टेट आर्गन एवं टिश्यू ट्रांसप्लांट पोर्टल भी तैयार हो रहा है। मध्य प्रदेश चिकित्सा विभाग के संचालक डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि शीघ्र ही इस संबंध में शासन स्तर पर निर्णय हो जाएगा। निश्चय ही यह निर्णय भारत की महर्षि दधीचि की देहदान की परम्परा को आगे बढ़ाएगा। मध्य प्रदेश सरकार का यह निर्णय लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करेगा। वैसे जो कार्य मध्य प्रदेश सरकार करने जा रही है, उसे प्रत्येक प्रदेश को लागू करना चाहिए। अच्छा हो कि ये केंद्र की ओर से लागू हो। इस कार्य के लिए जागरूकता अभियान भी चलाने की जरूरत है। इसके लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ प्रोत्साहित भी करना होगा। भारत में प्रतिवर्ष पांच लाख से ज्यादा लोग वक्त पर अंग न मिलने से मौत का शिकार हो जाते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इनमें से दो लाख के आसपास लोगों की मौत लिवर नहीं मिलने की वजह से होती है। इन मरने वालो में अधिकतर वे लोग होते हैं जो पैसा देकर अंग नहीं खरीद सकते। पैसे वाले तो मन मांगा मोल देकर अंग खरीद लेते हैं। इसी कारण मानव अंगों के अवैध कारोबार को बढ़ावा मिलता है। भारत में प्रतिवर्ष दस लाख व्यक्तियों में अंगदान करने वालों की संख्या 0.16 है। विकसित देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड और जर्मनी में यह संख्या 10 से 30 के मध्य है। हमारे देश में इस संख्या के कम होने के कारण हैं- सही जानकारी का अभाव, धार्मिक मान्यता, सांस्कृतिक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह। कई देशों में अंगदान ऐच्छिक न होकर अनिवार्य है। भारत में ऐसा कर पाना संभव नहीं है, लेकिन जागरूकता पैदाकर इस संख्या को बढ़ाया जा सकता है। लोगों में अंधविश्वास है कि यदि मृत व्यक्ति की आंखों को दान दिया जाता है तो उसे मरने के उपरांत स्वर्ग नहीं मिलता या अगले जन्म में वह आंख या उस अंग के बिना पैदा होगा, जबकि अंगों को शरीर से निकालने से परंपरागत अंत्येष्टि क्रिया या दफन क्रियाओं में कोई बाधा नहीं आती। इससे शरीर के रंग-रूप में भी कोई परिवर्तन नहीं होता।अपने अंगों को मृत प्राय रोगियों को बहुमूल्य उपहार के रूप में दान देकर अपनी मृत्यु को जीवन समान सार्थक बनाया जा सकता है। एक मृत व्यक्ति के अंगदान से नौ लोगों को नया जीवन मिल सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में 1,04999 पुरुष, महिला और बच्चे आज भी इस इंतजार में हैं कि कोई अंगदान करेगा और वे अपना जीवन जी सकेंगे। राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में अकेले किडनी के जरूरतमंद व्यक्ति ही 88551 है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग डेढ़ लाख मौतें सड़क हादसों से होती हैं। वर्ष 2022 में ही 168491 मौत हुई। इसका मतलब औसतन हर रोज सड़कों पर 1000 से ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं और 400 से ज्यादा लोग दम तोड़ देते हैं। इनमें सबसे पहले मस्तिष्क पूरी तरह से कार्य करना बंद कर देता है, ऐसा शरीर अंगदान के लिए उपयुक्त होता है। फिर भी बमुश्किल दो-तीन प्रतिशत भाग्यशाली लोगों को नए अंग मिलते हैं।

चेक अनादरण मामलें में अभियुक्त की अपील निरस्त

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। चेक अनादरण मामलें में तृतीय अपर सत्र न्यायालय ने नीचली अदालत के फेसले को बरकरार रखते हुए अपील को निरस्त कर दिया और अभियुक्त सतीष पिता मनोहरदास बैरागी उम्र 35 साल निवासी रामटेकरी मंदसौर को दण्डित करते हुए एक साल का सश्रम कारावास एवं एक लाख रूपऐ प्रतिकर की सजा को बरकरार रखा है।

तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ प्रीति श्रीवास्तव के न्यायालय ने अपने फेसले में कहा कि अभियुक्त सतीष बैरागी का प्रापर्टी बोक्रर का व्यवसाय होने से परिवादी प्रवीणा पति संजय सोनी से 1 लाख 80 हजार रूपऐ की राशि प्लॉट खरीदने के एवज में दिया गया था लेकिन अभियुक्त ने प्लॉट ना दिलाने के कारण राशि का चेक दिया था लेकिन अपर्याप्त बेलेंस के कारण चेक अनादरित हो गया। इसकों लेकर उसके पते पर सूचना पत्र भी प्रेषित किया गया लेकिन उसने सूचना पत्र भी प्राप्त नहीं किया और न्यायालय द्वारा आदेश करने के बाद भी राशि नहीं अदा की। इस सन्दर्भ में विद्धान विचारण न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में साक्ष्य विवेचना की है और जो निष्कर्ष निकाले है वह विधि व तथ्य के अनुरूप् है और उनमें हस्तक्षेप करने का कोई आधार न्यायालय के समक्ष नहीं है। इसलिए न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 138 पराक्रम्य में लिखित अधिनियम के तहत दोषी करार देने में विधि व तथ्य की कोई भूल नहीं की है इसलिए एक साल सश्रम कारावास एवं एक लाख रूपऐ प्रतिकर की सजा को बरकरार रखा है। न्यायालय ने तथ्यों पर विचारण करने के बाद अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील सारहीन होने से निरस्त करते हुए निर्णय अनुसार दण्डादेश का पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिऐ।

मप्र शिक्षक संघ ने भारत माता का पूजन अर्चन कर नववर्ष मनाया

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारतीय नववर्ष विक्रम संवतसर 2082, गुड़ीपड़वा, चेटी चंड, व चौत्र नवरात्रि के आरम्भ पर अभा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की प्रेरणा से मप्र शिक्षक संघ ब्लॉक शाखा मन्दसौर ने चारधाम मंदिर बड़वन फंटा पर सर्व प्रथम शिक्षक संघ के समस्त पदाधिकारीयो केद्वारा भारत माता की पूजन अर्चन कर बड़े धूमधाम के साथ मनाया। आने-जाने वाले सभी राहगीरों को चंदन का टीका लगाकर नीम, मिश्री, कालीमिर्च का प्रसाद दिया व भारतीय नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय सह मीडिया प्रभारी रामचंद्र लोहार, पूर्व जिला सचिव शंकरलाल आंजना, जिला कोषाध्यक्ष कांतिलाल राठौर जिला उपाध्यक्ष राम गोपाल सालीत्रा, जिला कार्यकारिणी सदस्य गणपतलाल राठौर, ब्लॉक अध्यक्ष रघुवीरसिंह सिसोदिया, वरिष्ठशिक्षक साथी हीरालाल परिहार, मुकेश जी राव, भीमसिंह परमार, मदनसिंह परिहार,मुकेश राव शिवनारायण धनगर, सतीश राठौर सरस्वती शिशु मंदिर प्रधानाचार्य देवेंद्र धाकड़ गांव से पधारें स्वयं सेवक, वरिष्ठजन, भगिनी, बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5552

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5551

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 5552

संकेत: बाएं से दाएं

1. 19 जून को भारत के वर्तमान राजनीतिज्ञ का जन्मदिवस है (5)
5. संकेत से, हेतु, वास्ते (2)
7. दार्शनिक प्रणाली, मत, वाद (2)
8. धारण करने वाला, वेशधारी (3)
9. रोगी, जिसे कोई मर्ज हो (3)
10. ढंग, प्रथा, रीति (3)
11. झुकाव, लचकदार, अवनमित [illegible] (3)
14. [illegible], कटा-कुटा हुआ (2)
15. [illegible], झलक (3)
16. कुशल, तत्पर, निपुण (3)
18. महसूस, टैक्स, हस्त, हाथ (2)
19. प्रणाम करता हुआ, अवनमित, झुका हुआ (2)
20. नियम पालन, निष्ठा निर्वाह (3)
21. फलदायक, फल देनेवाला, फलद, सुफल (3)

ऊपर से नीचे

1. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध पौराणिक कृति (8)
2. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
3. यह गंधार देशाधिपति सुबल की पुत्री थी शकुनि इसके भाई थे (3)
4. धैर्य, धीरता (3)
6. तीक्ष्ण, कारगर, गहन प्रभावी (2)
9. विवश, लाचार, इस नाम की दो फिल्मों के नायक क्रमशः विश्वजीत (1965) व अमिताभ बच्चन (1974) थे (4)
11. जो नजरों से ओझल कर कैद किया गया हो, नजरकैदी (5)
12. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन, [illegible], स्वादिष्ट आहार (2)
13. ये सिक्ख संप्रदाय के आदि गुरु थे (3)
17. भलाई, उपकार, कल्याण, [illegible] (2)
18. [illegible] कटोरा, कर्पट, खप्पर, [illegible] (3)

वर्ग पहेली 5551 का हल

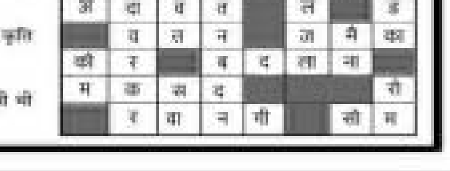

शहर में आज से नहीं सुनाई देगी 'भाई एक पेग और दोस्ती के नाम'

सही मायने में मंदसौर शहर आज से घोषित होगा पवित्र नगरी

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भाई, ऐसी क्या जल्दी है... चला जाना यार... तू मेरा भाई है... एक पेग और दोस्ती के नाम...भाई मैं हूं ना...ऐसी बाते विशेषकर ठेके के बाहर और बियर बार में सुनाई देती है। लेकिन, अब मंदसौर में इस तरह की आवाजें शायद नहीं सुनाई देगी। इसका कारण है मंदसौर में सोमवार रात से शहर की सभी 11 शराब दुकाने बंद कर दी गई है। प्रदेश सरकार ने जिन 11 जिलों में शराब बंद की है। उसमें धार्मिक नगरी मंदसौर भी शमिल है। हालांकि, हिन्दू संगठनो के साथ ही सामाजिक व धार्मिक संगठनो ने पशुपतिनाथ महादेव की नंगरी में मटन, चिकन, मछली, अंडे की दुकाने भी बंद करने की मांग की है।

पियक्कड़ो ने बैठा लिया जुगाड़...

31 मार्च को शराब के ठेकों पर ताले लग गए। इसके पहले ही शराब के धंधे से जुड़े लोगों ने अपना नया जुगाड़ बैठा लिया। लेकिन, पीयक्कड़ भी कम नहीं पड़ रहे है। उन्होंने भी 31 मार्च से पहले ही शराब बंदी की तैयारी कर ली। माल मंदसौर से बाहर कितनी दूरी पर मिलेगा या मंदसौर में कौन अवैध रूप से यह उपलब्ध कराएंगा, इसकी पूरी डिटेल निकाल ली गई है। यह जरुर है कि फिलहाल ठेके खत्म होने से पहले सस्ती दारु के चक्कर में शराब प्रेमी लोगों ने स्टॉक जरुर कर लिया।

बता दें कि शराब प्रेमियों को शराब बंदी का कोई टेंशन नहीं है। इसका कारण है कि मंदसौर में शराब अवैध रूप से लोगों तक पहुंचाने की जुगत भी शराब से जुड़े लोगों ने लगा ली है। वहीं आसपास ग्राम पंचायतों के ठेके अलग-अलग होने से कॉम्पिटीशन का दौर होना तय है। जिसका लाभ शराब प्रेमियों को मिलेगा। इधर पड़ोसी राजस्थान के शराब के धंधे से जुड़े लोग भी मंदसौर के ग्राहकों को खींचने की तैयारी कर चुके हैं। विशेषकर मंदसौर जिले से लगने वाली सीमा में आने वाले शराब के ठेके चलाने वालों ने एक अप्रैल से पहले ही सारी प्लानींग कर ली थी। जिले से सटे प्रतापगढ़ जिले में कुणी और इसके आसपास भी बियर बार है। अभी भी शराब प्रेमी राजस्थानी माल का आनंद लेने के लिए वहां पहुंचते हैं। इसका कारण है वहां के कम दाम और कहीं न कहीं अच्छी क्वालिटी। इसके अलावा बैठक व्यवस्था भी शराब प्रेमियों को खासी पसंद आती है। अब शराब बंदी के बाद वहां के बियर बार चलाने के साथ ही बिना लाईसेंस के बैठाकर पिलाने वाले ढाबा संचालक भी दुकानदारी को और ज्यादा डेवलप कर चुके हैं।

अब भी मटन, चिकन, मछली, अंडे की दुकानों पर प्रतिबंध की मांग

पहले गांव में डायरी, अब शहर में शुरु होगी...

अभी तक ग्रामीण क्षेत्र में डायरी सिस्टम से अवैध रूप से शराब की बिक्री हो रही है। ठेकेदार द्वारा गांवों में शराब बेचने के लिए कमीशन एजेंट की तर्ज पर किसी व्यक्ति को नियुक्त कर दिया जाता है। इसके लिए उसे हर क्वार्टर पर 8 से 10 रुपए कमीशन दिया जाता है। ठेकेदारों ने जिले के प्रत्येक गांवों में इस तरह के 3 से 4 एजेंट बना रखे हैं। प्रत्येक एजेंट रोज करीब 10 से 12 हजार रुपए की शराब बेचकर कमीशन कमाता है। आबकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार विभाग ने अब तक किसी भी डायरी वाले के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया है। ऐसे में यह अवैध धंधा पहले ही आबकारी विभाग बिना बोले वैध मान चुका है। लेकिन, अब शहर में शराब बंदी के बाद परिस्थितियां बदलेगी। गांव में ठेके होंगे और इसके बाद डायरी सिस्टम मंदसौर शहर में शुरु होगा। इसको लेकर डायरी सिस्टम से जुड़े लोग सक्रिय होकर जुगाड़ बैठा रहे हैं।

अनेक लोग होंगे बेरोजगार, कईयो का बंद होगा किराया...

वैसे तो पशुपतिनाथ की पवित्र नगरी मंदसौर में शराब बंदी स्वागत योग्य कदम है। लेकिन, एक पहलू यह भी है कि इस निर्णय के बाद कई लोगों की रोजी रोटी पर आन पड़ी है। शराब ठेकों के बाहर ठेले पर चना-सिंगदाना और दुकानों पर डिस्पोजल और कुरकूरे लटके देखे जा सकते हैं। ठेकों के बाहर यह दुकानदार या व्यवसायी सिर्फ शराब प्रेमियों की बदौलत ही घर चला पा रहे हैं। वहीं बाहर से आकर भी शराब ठेकेदार के यहां लोग काम कर रहे हैं। इसके अलावा शहर की बियर बारों में भी बड़ा स्टॉफ काम करता है। जिन्हें फिलहाल दूसरा काम धंधा तलाशना होगा। वहीं शराब की खाली बॉटल, पानी की खाली बॉटलें से कबाड़ के व्यवसायी से जुड़े लोग भी प्रभावित होगे।

प्रदेश के इन स्थलों पर बेन हो गई शराब...

✻ उज्जैन (महाकालेश्वर मंदिर) ✻ ओरछा (भगवान रामराजा सरकार की नगरी) ✻ मंडला (नर्मदा के प्रसिद्ध घाट) ✻ महेश्वर (पर्यटन नगरी, नर्मदा किनारे कई प्राचीन मंदिर) ✻ दतिया (प्रसिद्ध पीतांबरा माई का मंदिर) ✻ ओंकारेश्वर (12 ज्योर्तिलिंगों में से एक भगवान ममलेश्वर का मंदिर) ✻ मुलताई (प्रसिद्ध धार्मिक ताप्ती नदी का उद्‍गम स्थल) ✻ जबलपुर (नर्मदा के किनारे बसा शहर, भेड़ाघाट) ✻ नलखेड़ा (मां बगुलामुखी माता का प्रसिद्ध मंदिर) ✻ सलकनपुर (प्रसिद्ध देवी मंदिर) ✻ चित्रकूट (धार्मिक नगरी, भगवान राम ने वनवास का समय यहा बिताया था) ✻ मंदसौर (भगवान पशुपतिनाथ का प्रसिद्ध मंदिर) ✻ मैहर (मां शारदा का प्रसिद्ध मंदिर) ✻ बरमान घाट और मंडेलश्वर (दोनों ही मां नर्मदा के प्रसिद्ध घाट हैं) ✻ पन्ना (जुगलकिशोर भगवान का प्राचीन मंदिर) ✻ सांची को भी इसमे शामिल किया जा सकता है, क्योंकि यह बेहद प्राचीन जगह है। ✻ अमरकंटक (नर्मदा उद्‍गम स्थल, नर्मदा मंदिर)

शिविर में मिली सीख को विद्यार्थी जीवन में आत्मसात करें-नपाध्यक्ष

विधि महाविद्यालय का सप्त दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर का सप्तदिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन ग्राम भूनिया खेड़ी में सोमवार को हुआ।

शिविर में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष एवं महाविद्यालय ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से जो कार्य किया है वह सराहनीय है, आपने कहा कि विद्यार्थी जो शिविर में सीखे हैं उसे अपने जीवन में आत्मसात करें, प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करें ,जल बचाए और धरती को सुंदर बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। विश्व हिंदू परिषद के नगर संयोजक श्री कन्हैयालाल सोनगरा ने कहा कि विद्यार्थियों ने 7 दिन शिविर में रुक कर पर्यावरण संरक्षण के लिए जो कार्य किया है वह अद्भुत है एवं आप निरंतर पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्रयास करते रहे। समाजसेवी श्री राजेश गुर्जर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं अध्ययन के प्रति रुचि जागृत हो इस हेतु मोबाइल से दूर रहकर पुस्तकों से अध्ययन करने की बात कही। राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी अनिल आर्य ने रासेयो की संरचना एवं कार्य पद्धति को विस्तार से समझाया, श्री पप्पू सिंह झाला ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनोद कुमार पाटीदार ने अतिथियों का स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया। आपने सफल शिविर के लिए सभी शिविरार्थियों को बधाई दी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजेश कुमार कौशिक ने सप्त दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविरार्थी पायल कुमावत, सलोनी मलासा, अंजलि व्यास, रानू गुर्जर, संजीव चौहान, ज्योति सोनी ने अपने शिविर अनुभव बताएं। गायत्री राठौड एवं निखिल राठौर को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक का पुरस्कार दिया गया, इससे पूर्व अतिथियों ने मां सरस्वती एवं विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया, अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण किया गया एवं दैनिक अखबार शिविर दर्पण का विमोचन किया इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना गीत रानू गुर्जर ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम का संचालन शिविरार्थी चेतना परिहार द्वारा किया गया।

भगवा ध्वज वितरीत कर मनाया नववर्ष, खाटू श्याम मंदिर में किये भजन-कीर्तन

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। केसरिया जागृति मंच के तत्वाधान में नववर्ष का भव्य स्वागत किया गया। मंच की ब्रांड प्रतिनिधि सुधा फरक्या के नेतृत्व में सदस्यों ने घर-घर जाकर भगवा ध्वज वितरित किया और लोगों को अपने घरों पर धर्म ध्वजा फहराने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान सुधा फरक्या ने सभी को नववर्ष हर्षोल्लास से मनाने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों को घर के द्वार पर बंदनवार लगाने, स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर भगवान को भोग लगाने और मित्रों व परिवारजनों को नववर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संतोष मोदी, साधना मादलिया, मंजू बहन, पुष्पा गोड और प्रेमलता आचार्य सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण खाटू श्याम मंदिर में भजन-कीर्तन और नृत्य-गान रहा, जिससे भक्तिमय वातावरण बना और नववर्ष का स्वागत धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में आए सभी लोगों ने नववर्ष की बधाइयाँ दीं और धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने का संकल्प लिया।

गौशाला में गौभक्त मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

नगरी, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हिंदुत्व की रक्षा गाय से हैं, प्रत्येक भारतवासी को देश, धर्म की रक्षा के लिए माता कहलाने वाली गाय की मां की तरह सेवा करना होगी तभी भारत विश्व गुरु बनेगा। उक्त विचार हिन्दू वादी प्रवक्ता मनोज काश्यप ने कमलमुनि चिन्मयानंद गौशाला में नववर्ष पर आयोजित गौभक्त मिलन कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मंदसौर जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा ने भी संबोधित करते हुए कहा कि गाय में मां जैसी ममता, करुणा और वात्सल्य है, वह मानव मात्र का हित करने वाली है। इसलिए हमारे पूर्वजों ने गौ सेवा, गौ माता की पूजा, रक्षा को दिनचर्या का अंग बनाया था। गाय की सेवा से हमारा जीवन धन्य होता है। कार्यक्रम में भागवत प्रवक्ता दशरथ भाई भी अतिथि के रूप में मंचासीन थे। कार्यक्रम में नगरी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती संगीता बग्गड लामगरी सरपंच लतीफ मंसूरी, गौशाला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, कोषाध्यक्ष घनश्याम बग्गड़, उपाध्यक्ष रामप्रताप जड़वासिया, सचिव देवराम वाक्तरिया, संयुक्त सचिव रामप्रताप वाक्तरिया, सदस्य प्रभु लाल रडवाडिया,आशिष जी गुप्ता, अनुशील गुप्ता, नप पार्षद राजेश जैन मुकेश चचावद, नरेंद्र वाक्तरिया, भेरुलाल बग्गड , मांगीलाल मालवीय, दुर्गा लाल कसानिया ,अनिल जी बग्गड, रणजीत जड़वासा, जगदीश धाकड़, भरत जड़वासा एवं शैलेंद्र सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में गौभक्तों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम बग्गड ने एवं आभार रामप्रताप वाक्तरिया ने माना।

मोबाइल के दौर में फोटोग्राफरों के समक्ष नई चुनौतियां खड़ी हुई है-ब्रिजवानी

जिला मन्दसौर फोटोग्राफर एसोसिएशन का होली मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला मन्दसौर फोटोग्राफर एसोसिएशन का होली मिलन समारोह का आयोजन शंकर रेस्टोरेंट पर खुशनुमा माहौल में सम्पन्न हुआ। आयोजन में एसोसिएशन के सदस्यों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र ब्रिजवानी ने कहा कि फोटोग्राफर का कार्य विभिन्न रंगों को कैद कर प्रस्तुत करना होता है। इस कार्य को मंदसौर जिले के फोटोग्राफर बखूबी कर रहे है। मोबाइल के दौर में फोटोग्राफरों के समक्ष नई चुनौतियां खड़ी हुई है लेकिन फोटोग्राफर अपनी कला के बल पर इस क्षेत्र में अपना विशेष स्थान बनाये। आपने सभी फोटोग्राफरों से एकजुट होकर कार्य करने एवं एसोसिएशन को मजबूती प्रदान करने का आव्हान किया। इस अवसर पर जिला एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र ब्रिजवानी, सचिव गजेंद्र जायसवाल, महामंत्री अमित परमार, कोषाध्यक्ष लखन बाडोलिया, उपाध्यक्ष अनिल सुराह, सहसचिव सिद्धार्थ सैनी, सदस्य राजू ब्रिजवानी, राकेश दुबे, विशाल शर्मा, जीवन सोनी, मुकेश कनेसरिया, भारत ब्रिजवानी, अखिलेश शर्मा, हकीम बॉम्बे, रोहित सोनी, नीरज उपाध्याय, कुणाल कश्यप, उमेश कुमावत, गौरव ब्रिजवानी, अरूण ओस्तवाल, पं. नितिन शर्मा, सौरभ जैन, कल्पेन्द्र कुमावत, राजू लोहार, जितेन्द्र बैरागी, अंकित माली, केतन प्रजापत, नितिन पालीवाल आदि सदस्य शामिल थे। सचिव गजेन्द्र जायसवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया ईद का पर्व

सेमलियाकाजी, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ईद का चांद नजर आने के बाद सोमवार को सेमलिया काजी में मुस्लिम समाजजनों ने ईदगाह पर ईद की नमाज अदा की। इस दौरान देश में अमन और शांति के लिए दुआ मांगी गई। ईद की नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक-दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दी। ईद की नमाज मौलाना मो. आसिफ निज़ामी ने अदा करवाई नमाज के बाद सभी मुस्लिम समाजजन याकूब सैय्यद सरकार की दरगाह पहुंचे जंहा चादर पेश कर देश मे अमन और शांति के लिए दुआ की । इस दौरान अफजलपुर थाने के ASI भेरुदास बैरागी ओर चौकीदार उपस्थित रहे। ईद के दौरान सेमलिया काजी सरपंच प्रतिनिधि भरतदास बैरागी व पंच जुझारलाल धनगर आदि ग्रामीणों ने भी ईद की बधाई शुभकामनाएं दी।

सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

मनासा। ग्राम पंचायत जंनोद में विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू जी द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार से जोडने के उद्देश्य से सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। इस अवसर पर एक नए प्रशिक्षण सत्र का भी शुभारंभ किया गया, जहां महिलाएं सिलाई का प्रशिक्षण लेकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकेंगी।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती दिलखुश माणक अहिरवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई, जिनका चयन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्कृष्टकार्यों के लिए दिल्ली में सम्मानित होने के लिए हुआ। सरपंच महोदया द्वारा पंचायत में रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं, जिसकी सभी ने सराहना की। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष श्री गोपाल गुर्जर, नगर पंचायत रामपुरा के विधायक प्रतिनिधि श्री दीपक मरच्या सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष और महिलाएं उपस्थित रहे।

75 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महाराष्ट्र समाज उन्नयन समिति द्वारा नववर्ष की पावन संध्या पर दीप प्रज्वलित कर सभी समाजजनों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी एवं अमृत महोत्सव में समाज के 75 वर्ष आयु को पूर्ण करने वाले वरिष्ठ जनो का सम्मान किया गया। जिसमें सौ. रीता डॉ. अशोक ग्वालियरकर, श्रीमती सुहासिनी स्व. श्री सुधाकर निखाडे एवं श्रीमती प्रतिभा स्व. श्री सुरेश कोरान्ने को शाल श्रीफल एवं सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री सुभाष बुगदे एवं श्री प्रमोद खीरे ने समाजजनों को नववर्ष गुड़ी पाडवा का महत्व बताया। आभार प्रदर्शन समाज के अध्यक्ष श्री राजेंद्र पाठक एवं सचिव श्री अनिल झाँसी वाले ने किया।

मंदसौर में शराबबंदी पर विशेष...

नई शराब नीति
उज्जैन मंदसौर
है शिव धाम
अब यहां नहीं
छलकेंगे जाम।
गुन्नीस शहरों
में शराब बंदी
लगेगा जुर्माना
तोड़ी हद बंदी।
शराबियों के झगड़े
की बातें अब बीती
प्रदेश में अप्रैल से
नई शराब नीति।

नन्दकिशोर राठौर, मन्दसौर

भाषाई समरसता को बढ़ाएगा यह सम्मान- डॉ. वीणासिंह

अभा साहित्य परिषद का सर्वभाषा साहित्यकार सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अ.भा. साहित्य परिषद मंदसौर इकाई की गुड़ीपड़वा काव्य गोष्ठी एवं सर्वभाषा साहित्यकार सम्मान समारोह डॉ. दिनेश तिवारी एवं देवेश्वर जोशी के मुख्य आतिथ्य, अ.भा. साहित्य परिषद अध्यक्ष नरेन्द्र भावसार की अध्यक्षता एवं शिक्षा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. निशा महाराणा, डॉ. अलका अग्रवाल, लता मंगेशकर शा. संगीत महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिवेदी, स्पीक पैके कोआर्डिनेटर श्रीमती चंदा डांगी, वरिष्ठसमाजसेवी अजीजुल्लाह खान, कवि एवं शायर राजेन्द्र तिवारी, कवि गोपाल बैरागी, कवि अजय डांगी, राहुल राठौर, जितेन्द्र प्रतापगढ़ के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर विभिन्न भाषाओं पर साहित्य सृजन करने वाले अंग्रेजी भाषा में डॉ. वीणा सिंह, संस्कृत भाषा में गोपाल पाण्डेय, हिन्दी भाषा में भगवतीप्रसाद गेहलोद, उर्दू भाषा में फजल हयात जावरा वाले का सम्मान मोती की माला, शाल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया।

इस अवसर पर डॉ. वीणासिंह ने कहा कि अ.भा. साहित्य परिषद ने सर्वभाषा साहित्यकारों का सम्मान कर भाषा के नाम पर होने वाली वैमनस्यता को कम कर भाषायी समरसता को बढ़ाया जो देश के लिये आज के परिप्रेक्ष्य में बहुत जरूरी है। श्री गेहलोद ने कहा कि भाषा भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। जिसके माध्यम से हम भावों के विभिन्न विधाओं को समझते और व्यक्त करते है। कार्यक्रम के आरंभ अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन तथा नंदकिशोर राठौर के सरस्वती वंदना से हुआ। अतिथियों का स्वागत मोतियों की माला से किया गया। श्रीमती चंदा डांगी ने नीम मिश्री एवं काली मिर्च खिलाकर सभी को नववर्ष की शुभकामना प्रदान की। कार्यक्रम में सभी साहित्यकारों ने काव्यपाठ भी किया। फजल हयात ने शेर शायरी से खूब दाद बटोरी ये जुगनू देखिये, छोटा बहुत है, अंधेरों से मगर लड़ता बहुत है। गोपाल पाण्डेय ने संस्कृत में गीत सुनाकर सबको अचम्भे में डाल दिया। आपने राम पर गीत सुनाकर माहौल राममय कर दिया। श्री गेहलोद ने नववर्ष कविता आओ नववर्ष में संकल्प ऐसा करें सुनाई। अजय डांगी ने बची हुई सासों का अब मैं क्या करूं सुनाई। गोपाल बैरागी ने दवा अगर असर करती तो मरता नहीं हकीम , डॉ. अलका अग्रवाल ने लाल बाल पाल की कुर्बानी , राजेन्द्र तिवारी ने वर्ष दिन महिने प्रहर समय चक्र चलना , डॉ. निशा महाराणा ने पीहर से निकलो तो देर तो हो जाती है , राहुल राठौर ने एक राग में सब मिलकर प्रेम बसंत गाएंगे , चंदा डांगी ने सूरज ने ली अंगड़ाई सुनाई कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र त्रिवेदी ने किया एवं आभार नरेन्द्र भावसार ने माना।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा महर्षि गौतम जयंती पर हुए आयोजन

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा अपने आदि ऋषि न्याय शास्त्री महर्षि गौतम जयंती परंपरागत उत्साह और श्रद्धा से मनाई गई। प्रात: काल जगदीश मंदिर जीवागंज में श्री जगदीश मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं.कुबेर कांत त्रिपाठी की उपस्थिति में भगवान का अभिषेक हवन और महा आरती हुई। दोपहर में समाज की महिलाओं की संस्था महर्षि गौतम महिला सोशल ग्रुप के द्वारा मंदिर में स्थापित महर्षि गौतम की प्रतिमा की आरती की गई और सायं काल जगदीश मंदिर जीवागंज से चल समारोह निकाला गया। चल समारोह में एक खुली बग्गी में महर्षि गौतम की तस्वीर स्थापित की गई थी जिनकी समाज जनों ने अपने घर के सामने पूजा अर्चना आरती की। चल समारोह में बड़ी संख्या में समाज जन सम्मिलित हुए महिलाओं ने भक्ति नृत्य किया और सर पर कलश धारण किए हुए चल समारोह में सम्मिलित हुई।पुरुष वर्ग भी श्वेत परिधान में चल समारोह में सम्मिलित हुआ।

दोपहर में महर्षि गौतम की प्रतिमा की आरती के अवसर पर महर्षि गौतम महिला सोशल ग्रुप की सदस्याएं चंद्रकांता पुराणिक,चंदा चाष्टा,आराधना शर्मा, पुष्पा पुरोहित,सोमलता जोशी,राज श्री शर्मा एड.,सोनल शर्मा,प्रीति पुरोहित, अरुणा व्यास,श्रद्धा दीक्षित, पिंकी पंचारिया,सुनीता पंचारिया सम्मिलित हुई। सायंकाल चल समारोह के पश्चात श्री जगदीश विलास में महिला सभा द्वारा आयोजित विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित किए गए इस अवसर पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मोहनलाल शर्मा, जगदीश मंदिर ट्रस्ट के सचिव पं. गोपाल भट्ट, समाज पंचायत के सचिव सुरेंद्र त्रिवेदी कोषाध्यक्ष जगदीश शर्मा पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा और ब्रजेश जोशी मंचासीन थे। महिला सभा की ओर से श्रीमती स्मिता उपाध्याय ने नगर में विस्तारित क्षेत्र को देखते हुए सुझाव दिया कि महिला सभा की क्षेत्रीय पदाधिकारी मनोनीत कर संपर्क अभियान चलाया जाए ताकि आयोजनों में महिलाओं की भागीदारी और बढ़े। अध्यक्ष मोहनलाल शर्मा ने समाज की महिलाओं से सक्रिय होकर समाज के आयोजनों में सम्मिलित होने का आह्वान किया। ट्रस्ट के सचिव पंडित गोपाल भट्ट ने जगदीश विलास के निर्माण कार्य से संदर्भित जानकारी दी और भवन के विस्तार की योजना भी बताई। ब्रजेश जोशी ने कहा कि नगर में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्टपहचान बनाई है चिकित्सा, विधि, सर्व समाज सेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में समाज जनों ने काफी सक्रियता से कार्य किया है। हमें समाज में रचनात्मक वातावरण और गतिविधियां निरंतर बनाए रखना चाहिए। इस अवसर पर महिला सभा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रही महिला और बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया फैंसी ड्रेस में प्रथम स्थान आरवी शर्मा, द्वितीय हिमांश और तृतीय न्यासा शर्मा रहीं। चेयर रेस में प्रथम हिमांगी द्वितीय समीक्षा पंचारिया और तृतीय आरती शर्मा, तात्कालिक भाषण में प्रथम सरिता शर्मा द्वितीय हिमांगी उपाध्याय और तृतीय स्वाति तिवारी, फूलों की रंगोली में प्रथम वर्षा तिवारी द्वितीय ध्रुवी तिवारी और तृतीय कुसुम तिवारी रहीं। जिन्हें पुरस्कृत किया गया। निर्णायक की भूमिका गीता शर्मा ओर लीला शर्मा ने निभाई। इस अवसर पर महिला सभा अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला शर्मा, उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, गायत्री शर्मा राज श्री शर्मा, प्रतिभा भट्ट, कांता शर्मा, सलोनी शर्मा, विजयलक्ष्मी पंचारिया, स्मिता उपाध्याय, मीनाक्षी पुराणिक शर्मा, हीरल शर्मा, गंगा जोशी, रश्मि शर्मा, रमा शर्मा, सीमा शर्मा, गायत्री तिवारी, ज्योति शर्मा, शशि उपाध्याय आदि उपस्थित थीं। पुरुष वर्ग में सुरेंद्र दीक्षित, डॉ. देवेंद्र पुराणिक, रमेश चंद्र उपाध्याय, रूपनारायण जोशी डॉ. महेश शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ, अनिल द्विवेदी, डॉ.दिनेश तिवारी, मोहनलाल जोशी, अशोक दीक्षित, अरुण उपाध्याय,धर्मेंद्र शर्मा,दिनेश श्रोत्रिय,शिव शंकर शर्मा,के सी शर्मा, प्रद्युम्न शर्मा, महेश शर्मा पप्पू, सुनील शर्मा एड,. बाबा पंचोली,अजय तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, राजेश व्यास, महेंद्र आचार्य,डॉ. जितेंद्र पंचोली, पं. गोपाल पंचारिया, कृष्ण वल्लभ त्रिपाठी, ओंकार लाल तिवारी, आशीष आचार्य, नरेंद्र शर्मा,राजेश त्रिपाठी, संजय पुराणिक, कृष्णा व्यास, गोविन्द जोशी, योगेश श्रोत्रिय,गजेन्द्र तिवारी, ओमप्रकाश जोशी गैस वाले,कमलेश पंचारिया,पंकज शर्मा एड.सहित अनेक समाज जन उपस्थित थे। आभार सचिव सुरेंद्र त्रिवेदी ने माना।

राजस्व विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते भूमाफिया के हौसले बुलंद

सीमांकन के पांच माह बाद भी तहसीलदार नहीं लगवा पाए शासकीय भूमि पर बोर्ड

सुवासरा, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर में पांच महीने पहले शासकीय सर्वे न. 667/1 का 0.125 हेक्टेयर जमीन का मामला गरमाया था। जिसमें जानकारी मिली थी कि ग्राम पंचायत किशोरपुरा के सरपंच मिट्टूसिंह ने लगभग 8 लाख रु में स्टाम्प पर सुवासरा गांव के एक व्यक्ति से उक्त शासकीय जमीन खरीदी थी। बेशकीमती शासकीय जमीन का मामला जब राजस्व विभाग के संज्ञान में आया तो विभाग ने ताबड़तोड़ कार्यवाही कर जमीन का सीमांकन कर सरपंच को फटकार लगाई। इसके बाद राजस्व विभाग ने इसी सर्वे न. पर सरपंच सहित तीन अन्य लोगो का और कब्जा पाया गया। विभाग ने नियमानुसार कार्यवाही कर धारा 248 के अंतर्गत सभी कब्जाधारी को नोटिस दिया गया। जिसके जवाब में सभी कब्जाधारी अतिक्रमणकर्ताओ ने प्रशासन को जवाब में अपना कब्जा नही होना बताया। इस कार्यवाही के बाद एस डी एम और तहसीलदार ने इस शासकीय जमीन पर सरकारी बोर्ड और तार फेंसिंग करने की बात कही थी। लेकिन पांच महीने बाद भी ना तो तार फेंसिंग हुई और ना ही कोई बोर्ड लगाया गया। प्रशासन की सुस्ती की वजह भूमाफियाओं से साठगाठ की ओर इशारा कर रही है। जबकि उक्त जमीन शासकीय है।तहसीलदार मोहित सिनम पांच महीने बाद भी पटवारी का कथन नही होने की बात कर रहे है।वहीं एस डी एम शिवानी गर्ग भी कार्यवाही के बाद इस प्रकरण को भूल गयी। राजस्व विभाग की उदासीनता का फायदा फिर से भूमाफिया उठाकर करोड़ो की शासकीय जमीन को खाक कर देंगे।

यह था मामला- सुवासरा चोपाटी पर एक व्यक्ति ने करोड़ों रुपए मूल्य की बेशकीमती जमीन पर पहले कब्जा किया और बाद में उसे कोड़ियों के भाव बेच दी। वह भी केवल एक अनुबंध पत्र पर। जमीन की खरीदी बिक्री 2022 में हुई थी। दो साल बाद शुक्रवार को प्रशासन को इसकी जानकारी मिली। जानकारी के आधार पर प्रशासन ने जमीन का सीमांकन करवाकर उसे अतिक्रमण से छुड़वाया। जल्दी ही तार फेंसिंग कर जमीन को सरकारी भूमि घोषित कर दिया जाएगा। सुवासरा चौपाटी पर चोमेहला रोड पर रोड से लगी हुई 40 बाय 90 की भूमि को सुवासरा निवासी जोरावरसिंह पिता शिवसिंह राजपुत ने 18 जनवरी 2022 को तहसील के ही ग्राम किशोरपुरा के सरपंच मिट्ठूसिंह पिता ईश्वरसिंह राजपुत को 8 लाख 51 हजार रुपए में बेच दी थी। इस बात की जानकारी शुक्रवार को एसडीएम शिवानी गर्ग को मिल गई। शुक्रवार शाम सात बजे वे मौके पर पहुंची। उनके साथ तहसीलदार मोहित सीनम सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। एसडीएम ने तहसीलदार से जमीन की जानकारी ली और सीमांकन करने के निर्देश दिए। इसके बाद शनिवार को तहसीलदार सिनम, पटवरी कैलाशचंद सूर्यवंशी सहित राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जीमन पर सीमांकन कर पंचनामा बनाया।

इनका कहना

पटवारी के कथन होने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मोहित सिनम
तहसीलदार सुवासरा

प्रकरण तहसीलदार के यहां चल रहा है। अभी तक क्या कार्यवाही हुई है। में इसे दिखवाती हु। और शासकीय भूमि का बोर्ड भी लगवाते है।

शिवानी गर्ग, एस डी एम सीतामऊ

2 अप्रैल को कहार भोई समाज निषाद राज जयंती पर निकालेगा विशाल वाहन रैली

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कहार (भोई) समाज मंदसौर द्वारा समाज के आराध्य देव भगवान निषादराज जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 2 अप्रैल 2025, बुधवार को शाम 4 बजे गोंदी घाट से मंदसौर नगर में वाहन रैली निकाली जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए आयोजन समिति ने बताया कि 2 अप्रैल को सायं 4 बजे गांदी घाट से प्रारंभ होकर वाहन रैली प्रतापगढ़ पुलिया, देहली दरवाजा, घण्टाघर, बड़े बालाजी से गांधी चौराहा, बीपीएल चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा से श्री कोल्ड चौराहा, भाचावत शोरूम होते हुए कैलाश नगर स्थित निषादराज भवन स्थित मंदिर पहुंचेगी। जहां महाआरती पश्चात प्रसादी का वितरण किया जाएगा। सभी कहार (भोई) समाजजनों से निवेदन है कि, वाहन रैली, महाआरती व प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाये।

बाजार खुलते ही एक हजार रुपए महंगा हुआ सोना

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को बाजार खुलते ही सोना एक हजार रुपए प्रति दस ग्राम महंगा हो गया। शनिवार को भाव 91 हजार रुपए थे। लेकिन, सोमवार को भाव 92 हजार रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच गए। सोमवार को बाजार शाम को पांच बजे खुला। लेकिन, विदेशी बाजारों के अनुसार भाव में सोमवार को एक हजार रुपए की बढ़ोतरी हो गई।

रविवार अवकाश से पहले शनिवार को भाव में 200 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी आई और सोने के भाव 91 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के नए स्तर को छू गया। लेकिन, सोना यहीं थमने वाला नहीं था। सोमवार को भाव में एक हजार रुपए की बढ़ोतरी हुई और 92 हजार रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच गया। सराफा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाव में तेजी से सोना महंगा हो रहा है। आगे भी भाव में तेजी बनी रहेगी।

जानकारो के अनुसार सोने के भाव बढ़ने की वजह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ना है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। यह तेजी आगे भी बनी रह सकती है और आगामी दिनों में सोने के भाव ओर भी उच्च स्तर को छू सकते हैं।

इस सप्ताह ऐसे र्ह दिन महंगा हुआ सोना

24 मार्च	89,600
25 मार्च	89,700
26 मार्च	89,800
27 मार्च	90,150
28 मार्च	90,800
29 मार्च	91,000
31 मार्च	92,000

(भाव प्रति दस ग्राम रुपयों में)

महासोमयज्ञ की चल रही है व्यापक तैयारियां

समिति प्रमुखों ने कालाखेत प्रांगण का अवलोकन किया

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आगामी 13 से 18 अप्रैल तक वल्लभाचार्य नगर कालाखेत प्रांगण में होने जा रहे महा सोमयज्ञ की तैयारियां व्यापक स्तर पर की जा रही है। कालाखेत प्रांगण को वल्लभाचार्य नगर का नाम दिया गया है। यहां 6 दिनों तक प्रत्येक दिन चार पालियां यज्ञ की होगी। 6 दिनों में कुल 24 पालियों में सोम यज्ञ का आयोजन होगा। जिसमें नगर आसपास के ग्रामीण क्षेत्र, अंचल, सुदूर नगरों और राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों के अनेक जोडे सम्मिलित होंगे।

तदनुसार कालाखेत मैदान में भव्य यज्ञशाला का निर्माण किया जा रहा है यज्ञशाला स्थल के व्यवस्था प्रभारी श्री विक्रम भटनागर ने आयोजन समिति को प्रांगण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि लगभग एक लाख हेक्टेयर परिक्षेत्र में संपूर्ण यज्ञशाला का निर्माण किया जा रहा है 21 वेदियां यज्ञशाला में निर्मित होगी । आसपास दर्शन दीर्घा और परिक्रमा मार्ग भी बनाया जा रहा है साथ ही धर्माचार्य और विद्वतजनों के लिए बैठक मंच व्यवस्था और सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भी मंच का निर्माण हो रहा है। यज्ञ स्थल प्रांगण के अवलोकन के समय यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, यज्ञ स्थल प्रांगण के व्यवस्था प्रभारी विक्रम भटनागर तथा ब्रजेश जोशी, प्रकाश सिसोदिया, जीतू भाई पारेख,प्रद्युम्न शर्मा, मनोज जैन आदि यहां उपस्थित थे। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने नगर और अंचल वासियों से आह्वान किया है कि सभी यज्ञों में श्रेष्ठ अति दुर्लभ महासमुंद यज्ञ में सम्मिलित होकर जीवन के इन अनमोल समय का अवश्य लाभ लेवें। यह जानकारी आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी हेमंत शर्मा ने दी है।

किसान संघ के प्रांत कार्यालय का भूमि पूजन उत्तम स्वामी के कर कमलों से 10 अप्रैल होगा

5 अप्रैल को मंदसौर जिले की बैठक/ निर्वाचन होंगे

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारतीय किसान संघ के प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश चौधरी जाट ने बताया आगामी 10 अप्रैल को भारतीय किसान संघ कार्यालय मालवा प्रांत इंदौर का भूमि पूजन कार्यक्रम तय हुआ।

प्रांत कार्यालय बैठक में मध्य क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रदेश मंत्री राजेंद्र शर्मा, प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल, संगठन मंत्री अतुल माहेश्वरी ,महामंत्री रमेश दांगी के सानिध्य में प्रांत बैठक हुई। बैठक में बताया कि आगामी 10 अप्रैल को भारतीय किसान के कार्यालय हेतु भूमि पूजन किया जाएगा मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर श्री उत्तम स्वामी महाराज एवं भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश दत्तात्रेय कुलकर्णी, प्रांत प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजमोहन के कर कमलो द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मालवा प्रांत के 18 जिलों की 115 तहसीलो से लगभग 1000 कार्यकर्ता भूमि पूजन में शामिल होंगे कार्यक्रम हेतु पार्किंग एवं भोजन की व्यवस्था हेतु कार्यकर्ताओं को काम सौंपा गया है। प्रांत महामंत्री रमेश दांगी द्वारा व्यवस्था संबंधी विषयों पर अलग-अलग चर्चा की गई इंदौर महानगर और इंदौर जिले के कार्यकर्ताओं को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी। क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी ने कहा कि योजना जैसी बनाई गई है इसको पूर्ण किया जाए। सभी कार्यकर्ता अपने मनोभाव के साथ अपने कार्य में जुटे और अपने समर्थनुसार काम को करना हम सब का दायित्व है।

5 अप्रैल को मंदसौर में होगी जिला बैठक- जिला इकाई मन्दसौर प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश चौधरी जाट ने बताया कि दिनांक 5 अप्रैल 2025 को जिले की बैठक/निर्वाचन करने मन्दसौर जिले का प्रवास पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री अतुल माहेश्वरी, प्रान्त महामंत्री रमेश डांगी, जिला प्रभारी श्री डुंगर सिंह, प्रान्त सदस्य भंवर सिंह पंवार आएंगे।

गौसेवा कर नववर्ष का स्वागत किया

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच मंदसौर इकाई द्वारा हिन्दू नववर्ष श्री गोपालकृष्ण गौशाला में गौसेवा कर मनाया। इस दौरान गौमाता की पूजा अर्चना की एवं उन्हें गुड व हरे चारे का आहार कराया गया।

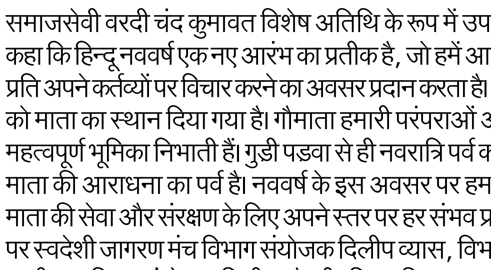

इस अवसर पर समाजसेवी अनिल कियावत, धार्मिक उत्सव समिति के विनय दुबेला व सोनी समाज घनश्याम जी सोनी, समाजसेवी वरदी चंद कुमावत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों ने कहा कि हिन्दू नववर्ष एक नए आरंभ का प्रतीक है, जो हमें आत्ममंथन और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। भारतीय संस्कृति में गाय को माता का स्थान दिया गया है। गौमाता हमारी परंपराओं और धार्मिक अनुष्ठानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गुडी पड़वा से ही नवरात्रि पर्व का भी प्रारम्भ होता है जो माता की आराधना का पर्व है। नववर्ष के इस अवसर पर हम सभी संकल्प लें कि गौ माता की सेवा और संरक्षण के लिए अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच विभाग संयोजक दिलीप व्यास, विभाग सहसंयोजक अंकुश पालीवाल जिला संयोजक दिलीप चौधरी, जिला विचार प्रमुख राजेश चौहान, जिला वरिष्ठआयाम प्रमुख वीरेंद्र आर्य, तहसील सहसंयोजक जितेंद्र पाटीदार, नगर संयोजक कनिष्क शर्मा, सतीश बैरागी, भरत ओझा, विश्वास शर्मा, मातृशक्ति तहसील कार्य प्रमुख पूजा ठाकुर, रेखा जोशी, मीनाक्षी पंवार, योगिता सिखवाल आदि उपस्थित थे।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस मंदसौर के 2 विद्यार्थियों को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के...

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पी.एम.कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने बताया कि विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा जारी वर्ष 2024 के परीक्षा परिणामों की स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों की सूची में महाविद्यालय की विद्यार्थी कुमारी नंदिता धनोतिया एम.एस-सी. गणित एवं प्रद्युम्न शर्मा एम.ए. संस्कृत ने स्थान प्राप्त किया है। उक्त दोनों विद्यार्थियों को विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के 29वें दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल,

मध्यप्रदेश एवं कुलाधिपति श्री मंगूभाई पटेल द्वारा माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन डॉ. मोहन यादव एवं माननीय मंत्री उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन श्री इंदर सिंह परमार की उपस्थिति में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी एवं प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने कु. नंदिता धनोतिया एवं प्रद्युम्न शर्मा को को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर महाविद्यालय के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. टी.के. झाला, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. सी.एस. बारीवाल, संस्कृत विभाग के डॉ. के.आर. सूर्यवंशी, डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, प्रो. पंकज शर्मा एवं डॉ. अनिल कुमार आर्य समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

खेत में नरवाई जलाने पर होगी दंडात्मक कार्यवाही

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। उप संचालक कृषि श्रीमती अनिता धाकड ने बताया कि जिले में रबी की मुख्य फसल गेंहू की कटाई का कार्य जारी है। कृषकों द्वारा कम्पाईन हार्वेस्टर मशीनों से फसल काटने के बाद खेत में खड़े खापे (नरवाई) को नष्ट करने के लिए तथा खेत की साफ-सफाई के लिए खेतों में आग जलाने की सैटेलाईट द्वारा रिपोर्ट प्राप्त हो रही है। उप संचालक कृषि द्वारा बताया गया कि नरवाई (पराली) जलाने से वायु प्रदूषण, भूमि की उर्वरा शक्ति, जन-धन की हानि की घटनाएँ होती है। नरवाई में आग लगाने से अमूल्य पदार्थ नष्टहोता जा रहा है। इसके कारण मृदा स्वास्थ्य व मृदा उत्पादकता खतरे में है। नरवाई में आग लगाने से मृदा तापमान में वृद्धि होती है. जिससे लाभदायक सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते है, जो कि मृदा जैव विविधता के लिए एक गंभीर चुनौती है। किसानों से की अपील नरवाई जलाने की सैटेलाईट से भी जिला प्रशासन को जानकारी प्राप्त हो रही है। ऐसे में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर प्रावधान अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

ईश्वर उसी की सहायता करता है, जो अपनी सहायता स्वयं करता है-बैरागी

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक सवांद का आयोजन किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि ईश्वर उसी की सहायता करता है जो अपनी सहायता स्वयं करता है। इसलिये प्रत्येक व्यक्ति को परश्रिम करके अपने जीवन में उपलब्धियां अर्जित करना चाहिए। ऐसे कई उदाहरण है कि साधारण व्यक्तियो ने दृढ संकल्प के बल पर असंभव सी लगने वाली उपलब्धियां प्राप्त की। ईश्वर ने सबको क्षमता प्रदान की है उसका सदुपयोग जरूरी है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि विभिन्न पर्व आत्म अवलोकन का अवसर प्रदान करते है। जो व्यक्ति जीवन परिष्कार का अभिलाषी है उसे निष्पक्षता से स्वयं का आंकलन करना चाहिए। अन्य लोगो के कार्यकलापो की मिमांसा सब करते है किन्तु जो स्वयं का मूल्यांकन करते है वे ही सफलता प्राप्त करते है। भूल मनुष्य का स्वभाव है किन्तु जो एक भूल को दोबारा नही करता वही सद्गुण सम्पन्न बनता है। अभिलाषा तब ही पूरी होती है जबकि पात्रता अर्जित की जाए। श्री रमेश ब्रिजवानी व श्री राजकुमार जसवंत, श्री महेन्द्रसिंह टुटेजा ने विचार व्यक्त किये। श्री राजेन्द्र तिवारी, श्री अभय जैन ने गीत व भजन प्रस्तुत किये। श्री भेरूलाल पटेल, श्री निरंजन भारद्वाज श्री कन्हैयालाल पण्ड्या, श्री त्रिलोचनसिंह छाबडा, श्री विनोद चैबे, श्री परमेश्वर दास बैरागी, श्री पंकज वेद, श्री धर्मेन्द्र चैहान ने संवाद मे सहभासिगता की। संचालन डॉ.रविन्द्र जोशी ने व आभार प्रदर्शन समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, केशव नगर, मंदसौर वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर उ.मा.वि. केशव नगर, मंदसौर में कक्षा नर्सरी से चतुर्थ तक एवं कक्षा षष्ठसे एकादश तक वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण किया गया सिमें मुख्य अतिथि - विद्यालय संचालन समिति प्रो. राजेन्द्रसिंह शिक्षण समिति के माननीय सदस्य श्री दिनेश जी पालीवाल व कक्षा के उत्कृष्ट रिजल्ट देने वाले भैया बहिन के अभिभावक ,श्री संतोष जी यादव (प्राचार्य स.वि.म. केशव नगर मंदसौर) मंचासीन रहे। स्वागत - श्रीमती विद्या दोषी दीदी एवं श्रीमती मनीषा जैन दीदी द्वारा किया गया

अभिभावको में परिणाम को लेकर अधिक उत्साह देखा गया जिसमें शतप्रतिशत अभिभावक अपने पाल्य का परिणाम जानने के लिए विद्यालय में उपस्थित हुए। भैया बहिन के परीक्षा परिणाम के साथ विद्यालय में वर्षभर में आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता हेतु समस्त भैया बहिन को पुरस्कार वितरित किए गए। अतिथि द्वारा अभिभावक से चर्चा की गई, साथ ही विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष जी यादव व प्रधानाचार्य श्री राजपाल जी सिसोदिया व अभिभावक एवं भैया बहिन उपस्थित रहे। अतिथि द्वारा प्रोजेक्टर पर डिजिटल परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई।समिति सदस्य श्री दिनेश जी पालीवाल द्वारा भैया बहिन को अच्छे परिणाम की शुभकामनाएं दी गई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भिंड से दस्तयाब हुई पिपलिया... पेज 1 से जारी

ने पुलिस को बताया कि अतीक ने यह कहकर उसे यहां रखा कि हमारी शादी हो गई है, मैं इसे कल ले जाउंगा। हालांकि अतीक मौके पर नही मिला वह फरार है। पुलिस ने आरोपी को संरक्षण देने के मामले में अपहर्ता के बॉबी को गिरफ्तार कर लिया। चोकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया सोमवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जिसे जैल भेजने के आदेश हुए।

गणमान्य जनों के साथ साठिया समाज ने भी भगवान सूर्य को अर्ध्य देने में सहभागिता की

मंदसौर, 31 मार्च गुरु एक्सप्रेस। संस्कार भारती जिला इकाई मंदसौर द्वारा प्रात: 6.15 बजे सामूहिक रूप से सूर्य भगवान को सूर्य अर्ध्य देकर नववर्ष/ गुडी पड़वा नवसंवत 2082 का स्वागत अभिनंदन गाँधी चौराहा पर किया गया। नववर्ष के शुभ अवसर पर आयोजित सूर्य अर्ध्य कार्यक्रम बहुत ही शानदार रहा ।समाज के लिए उपेक्षित माने जाने वाले हमारे साठिया समाज के भाई ओर बहनों ने भी नगर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ सूर्य अर्ध्य के कार्यक्रम में सहभागिता की। सभी ने सामुहिक सूर्य अर्ध्य दिया। कार्यक्रम में सभी जाति पंथ एवं विविध समाज के बंधुओ द्वारा सहभागिता दी गई।

प्रमुख रूप से गुरुचरण बग्गा, घुमंतू कार्य मालवा प्रांत प्रमुख श्री रविप्रताप सिंह बुंदेला, विनोद मेहता, योग गुरु बंसीलाल टांक, ब्रजेश जोशी, कन्हैयालाल सोनगरा, रवींद्र पांडे, श्यामसुंदर देशमुख, शंभुसेन राठोर, श्यामसुंदर चौधरी, राजेन्द्र चास्टा, संगीत महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष नरेंद्र त्रिवेदी, राजाराम तंवर, उद्यानिकी महाविद्यालय से डॉ. गिलानी , संस्कार भारती के उपाध्यक्ष योगेश याग्निक एवं गोपाल बैरागी, महामंत्री दिनेश नाना सोनी, चित्रकार राहुल राठोर, शुभम लक्षकार, साठीया समाज से बाबु साटिया एवं उनके अन्य बंधुगण घुमंतू कार्य मालवा प्रांत महिला प्रमुख सुनीता देशमुख, भावना चौधरी, दीपा देशमुख, दीक्षा देशमुख उपस्थित थे। उक्त जानकरी संस्कार भारती जिलाध्यक्ष कन्हैया देशमुख ने दी।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 143/2025 दिनांक 31.03.2025

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा रामनिवास पिता रामेश्वर कुमावत, निवासी-ग्राम-सेमलिया रानी, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान नं. 74, वार्ड नं. 05, पटवारी हल्का नं. 21 पर दर्ज होकर पता- ग्राम-सेमलिया रानी, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. एमपी 249412023ए12239931, दिनांक 09.08.2023 से मेरे पक्षकार रुकमनबाई पति रामनिवास कुमावत, निवासी ग्राम-सेमलिया रानी, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय सीतामऊमें करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-रास्ता, पश्चिम में-मंदिर की जमीन, उत्तर में-बद्रीलाल, दक्षिण में-नाथुलाल, पैमाईश रकबा-900 वर्गफीट या 83.61 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur **से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।**

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 146/2025 दिनांक 31.03.2025

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा रामचंद्र पिता धनराज गुर्जर निवासी-ग्राम-खोती, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान जो भूमि मकान नं 23, वार्ड नं. 11, पटवारी हल्का नं. 00092 पर दर्ज होकर पता- ग्राम-खोती, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. एमपी 15आईजीआर17872025ए100182983, दिनांक 30.03.2025 से मेरे पक्षकार मांगुबाई पति रामचंद्र गुर्जर, निवासी ग्राम-खोती, तहसील-सीतामऊ, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय सीतामऊमें करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-अनिल पिता रामचंद्र का मकान, पश्चिम में-आम रास्ता, उत्तर में-कच्चा रास्ता, दक्षिण में-राजाराम धनराज का मकान, पैमाईश रकबा-3944 वर्गफीट या 366.40 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur **से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।**

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in